In the Name of LOVING GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

VOL. 52, 2015
FREE OF COST
FULL OF CARE

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

रूह को रोने से बचाने के लिए

for saving the sobbing soul

इस life का अन्तिम दिन कैसे जीना चाहेंगे ?
How to spend the last day in this world ?

सबसे बड़ा रोग – क्या कहते हैं लोग ?
How to conquer "emotional slavery" ?

रूह को जगाएँ – रोगों से मुक्ति पायें, कैसे ?
Holy soul heals the body, how ?

पाप और पुण्य नज़र नहीं आते – असर बहुत करते हैं, कैसे ?
Vices and Virtues are not visible but influence immensely, How ?

Mission Happiness®

Turn to God before you return To God

Mission Consciousness®

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

visit us at www.missionhappiness.in

God bless

Discovering Life

‘जब आत्मा की आवाज़ सुनाई देती है, तभी सच्ची ज़िन्दगी दिखाई देती है।’

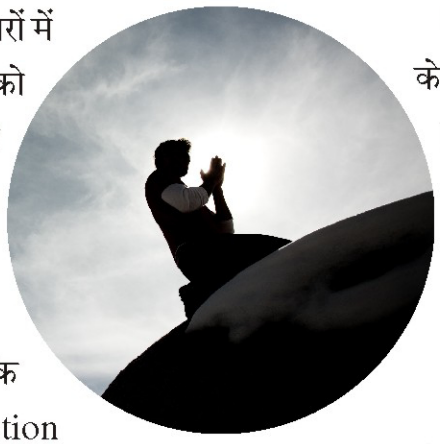

Almost every day अखबारों में शोक सूचना वाले column में पढ़ने को मिलता है - इनका आकस्मिक निधन हो गया, इनकी आत्मा की शान्ति के लिए पूजा पाठ का आयोजन इतने बजे होगा। फोटो साथ में छपा होता है।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि संसार कर्मो के सिद्धांत, laws of action and reaction से चलता है, तब हमारे कर्मों का फल तो मिलना ही है, अच्छा या बुरा।

दूसरों के पूजा-पाठ करने से हमारी आत्मा कैसे शान्त हो सकती है?

यह तो बिल्कुल वैसे ही हुआ कि हमारे घर का खर्चा-पानी चलाने के लिए, हमारे रिश्तेदार, पड़ोसी सहयोग करते रहें। कौन कब तक सहयोग करेगा? किसको फुरसत है? और किसके पास क्षमता है, सच्ची प्रार्थना करने की, जो दूसरों की आत्मा शान्त कर सके।

अगर हमारी अपनी आत्मा ही अशान्त है, तब हम दूसरों की आत्मा कैसे शान्त कर सकते हैं?

जब हमारे पास ही धन का अभाव है, तो दूसरों को हम धन कैसे दे सकते हैं?

समय है, हम सभी गहरी नींद से body के रहते हुए ही जाग जाएँ। सोए हुए प्राणी के लिए क्या झोपड़ी और क्या महल?

आत्मा के जागते ही, मृत्यु के दर्पण में ज़िन्दगी की साफ तस्वीर दिखाई देने लगती है।

ज़िन्दगी का मतलब है ज़िन्दादिली, सत्य का सामना, happiness & awareness of mind, alertness of body.

तब रोग नहीं सताते, तब झगड़े नहीं होते। तब मज़ा आता है, तब समभाव आता है।

यही तो आत्मा की आवाज सुनने का फायदा है।

आत्मा की आवाज़ सुनाई कैसे दे?

1. ईश्वर का निरंतर ध्यान

2. ईश्वर का निरंतर धन्यवाद

3. Listening to music and daily reading divine scriptures.

4. जल्दबाजी से परहेज़ - हर काम आनंद से करना

जब दिल होता है पाक-साफ, तभी सुनाई देती है आत्मा की आवाज़,
Ego रूपी मूर्खता के जाते ही, समझ आने लगती है आत्मा की आवाज़,
धन, पद का घमंड जाते ही, experience होने लगती है आत्मा की आवाज़,
मौत का ध्यान करने से ही benefit देने लगती है आत्मा की आवाज़।

The Voice of Soul – Easy to Listen – Easy to Live

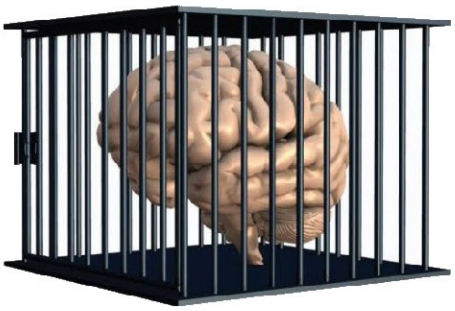

Emotional Slavery

सबसे बड़ा रोग

God bless

Life Transformation

क्या कहते हैं लोग?

वैसे तो, यह रोग, शुरू से ही रहा है, किन्तु पिछले कुछ वर्षों से यह मानसिक रोग बढ़ता ही जा रहा है, but the bigger problem is that कोई किसी को बताने वाला या help करने वाला नहीं है। दूसरों को अच्छा दिखाने के फेर में अपने मन, बुद्धि और शरीर को पीड़ित करना, क्या यह wisdom का प्रतीक है?

लोग क्या कहेंगे, आज वही सूट मैंने दोबारा पहन लिया है, Last party में तो मैंने यह वाले सैंडल, shoes पहने थे? अरे यह घड़ी, इस रंग के suit को suit नहीं कर रही है? बाल कब से dye नहीं किए हैं?

प्रकृति ने केश सफेद किये ताकि हमें अपनी maturity, परिपक्वता के reminders मिलते रहें, व्यवहार में गंभीरता आए, ज़िम्मेदारी का अहसास बढ़े किन्तु अपनी वास्तविक उम्र दूसरों से छिपाने पर real self confidence तो improve नहीं हो सकता।

All these display the 'fragile state of mind' मन इतना कमज़ोर होता जाता है कि ज़रा सा किसी ने comment पास कर दिया, बस गुस्सा और क्लेश देखते ही बनता है।

दिन - प्रतिदिन, body की आयु कम होती जा रही है, मन को उसी proportion में strong and wise होता जाना चाहिए था, लेकिन हो उल्टा रहा है। Body, weak होती जा रही है। Mind भी कमज़ोर होता जा रहा है।

दूसरों की देखा देखी, this syndrome of copy cat brings plenty of perils. गुलाम मन, कमजोर मन, दावत देता है, दुखों को। Psychosomatic diseases लेकर डॉक्टर के पास पहुँच जाते हैं। आजकल सच्चे और अच्छे डॉक्टर counselling बहुत अच्छी करते हैं, patient की। उनके Mind को clear and clean करते हैं तभी body पर medicines का भी असर होता है।

अपनी Originality को करके Suppress दूसरों को क्यों करें Impress?
ऐसा क्या - क्या करें हम खास, कि दूसरों को आ जाएँ हम रास?
दूसरें बुझाएं हमारे मन की प्यास, बहुत हानिकारक है यह झूठी आस,
दूसरों की करते रहें गुलामी, यह है, अपने साथ बहुत बड़ी बेईमानी
किसी की Praise के मोहताज न बनें, यही है सफल जीवन की कहानी।

Self Analysis is the path to Self Dependence

जैसा कि simple truth है, हर matter का solution - problem में ही छिपा होता है। इसी प्रकार life का lock भी केवल death की key से खोलना सबसे सरल है।

कैसे जीना चाहेंगे?

For
Tension Free,
Trouble Free HAPPY LIFE
Mission Happiness organises
DIVINE LIFE SYMPOSIUMS
at schools, colleges, jails, media centres
No Charges - Only Active Participation
Contact : 9837032053, 9536824265

4. क्या जमा करके रखे हुए धन, FD's, Gold आदि को lock करके जाएंगें अथवा प्रसन्नतापूर्वक, wisely spend करके सबको खुश करके जाएँगे ?

5. **पिछले किए गए सभी गुनाहों पर पर्दा डालने की असफल कोशिश करेंगें, अथवा पश्चाताप के साथ प्रायश्चित करते हुए पवित्र होकर इस पृथ्वीलोक से अन्य उच्च सूक्ष्म लोकों में जाएंगे ?**

6. वस्तुओं और व्यक्तियों को देख-देखकर रोएंगे अथवा इन सभी के लिए प्रभु को धन्यवाद देते हुए तृप्त और शान्त होकर, कृतज्ञतापूर्वक यह body छोड़ेंगे ?

7. दूसरों को blame करते हुए गिले-शिकवे साथ लेकर जाएंगें या फिर स्नेहपूर्वक सौहार्द से प्राण त्यागना पसन्द करेंगें ?

8. क्या पारंपरिक ढंग से पूजा, इबादत करते हुए जल्दबाज़ी में, (casually) जाना चाहेंगें अथवा हर सांस में ईश्वरीय स्मरण करते हुए physical body से मुस्कराते हुए अलग होना पसन्द करेंगें ?

9. क्या दुखी होते हुए खाना-पीना छोड़कर इस शरीर को अलविदा कहेंगें या भूख और भोजन दोनों Godly Gifts के लिए thankful feel करते हुए, परलोक की यात्रा पर जाना पसन्द करेंगें ?

10. क्या अन्तिम सांसे, bed पर तड़पते हुए, इलाज करवाते हुए, छोड़ना चाहेंगें, अथवा चलते-फिरते, गहरी और पूरी सांसे लेते हुए, happily इस दुनिया से दूसरी दुनिया में प्रवेश करना चाहेंगें ?

यदि इसको पढ़ने में 10 minutes लगाएँ,
सोचने में 30 minutes लगाएँ,
तब समझने में seconds लगेंगे,
फिर life बदलने में देर नहीं लगेगी।

The Role of Free Will

LAST DAY OF LIFE

पूरी Life में birthdays तो हम अनेक celebrate करते हैं, **किन्तु deathday एक ही होता है। समझदारी से इस deathday को daily के birthday में transform किया जा सकता है।**

इसी का Science of Living कहते हैं।

Science of Living का seed छिपा है,

Science of Leaving में।

जीने की कला आती है - जाने की कला से।

यह thoughtful, but least thought of, subject है।

सारे काम छोड़कर बहुत seriously सोचें कि हम अपनी इस कीमती life का अन्तिम दिन कैसे व्यतीत करना चाहेंगें ?

इस जन्म के अन्तिम दिन :

1. क्या बहुत tension में होंगें या God remembrance के साथ full attention में ?
2. क्या भयभीत होकर रोते हुए काम करेंगें अथवा happily अपनी responsibility को पूरा करके इस संसार से विदा लेंगे ?
3. क्या लोगों से बदला लेने की सोचेंगें, अथवा सभी को क्षमा करते हुए अपना मन, पवित्र और शान्त आत्मा साथ ले कर जाएंगें ?

God bless

Priceless Reminders

मनी

मन और मृत्यु

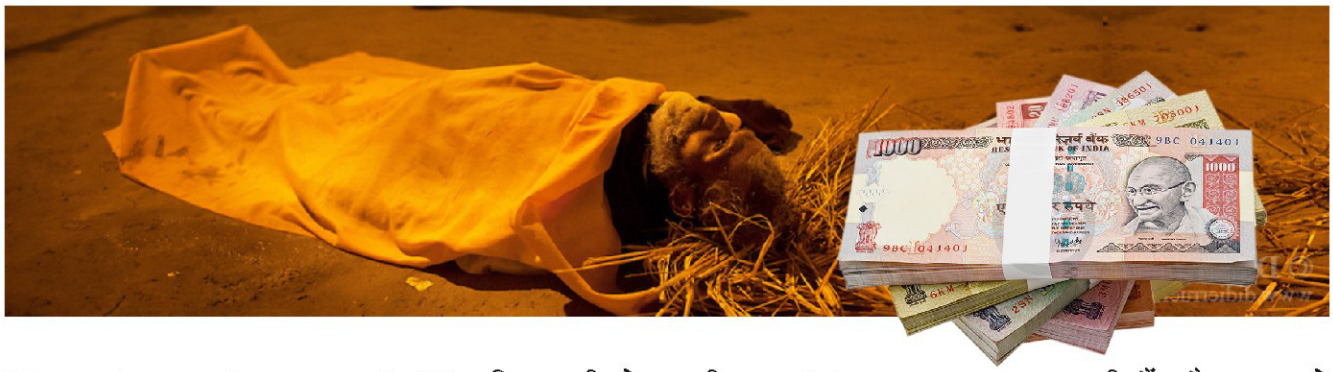

Money is very important in life. बिना मनी के मन हो या तन, सुखी और सुरक्षित रह ही नहीं सकते। बिना मनी (धन) के जग सूना, सब सूना!

But इसका एक दूसरा पहलू भी है।

जैसे सब्ज़ी हो या दाल, कोई भी dish हो, उसमें, हर ingredient (तत्व) की एक संतुलित मात्रा ही स्वाद दे सकती है।

Similarly money कम हो या अधिक, दोनो ही conditions दुख का कारण अवश्य बन जाती हैं। जैसे अनावृष्टि या अतिवृष्टि, कम वर्षा या अधिक वर्षा।

धन कम है तो समझिए किस्मत और कर्म दोनों ही responsible हैं - तमस ज्यादा है। धन ज्यादा कमाने की प्यास है तो वह मन और मृत्यु दोनों के लिए ही मुसीबत बन जाता है।

कम या ज्यादा धन, मन को कमज़ोर बनाते जाते हैं, दोनों ही conditions भय उत्पन्न करती हैं और मृत्यु के समय, कमजोर मन, आत्मा को बहुत दुखी करता है।

ज्यादा धन, अधर्म के मार्ग पर जल्दी ले जाता है, और आत्मा पर मैला मन, खतरनाक results को अनदेखा करने लगता है।

अरे सभी कमा रहे हैं भाई! अब क्या करें, expenses बहुत बढ़ गए हैं। कल किसने देखा है? मौत के बाद क्या होता है? अभी तो मज़ा ले लें।

ऐसे sentences आए दिन सुनने को मिल जाते हैं।

समझदार moderate रहते हैं। गरीबों के श्रापों से डरते हैं और family में सुख शान्ति रहती है।

Body में मृत्यु के समय तन को ज्यादा कष्ट नहीं होता। इसलिए money • मन • मौत के रिश्ते को ध्यान में रखकर ही खैर मनाई जा सकती है।

शरीर से रूह के निकलते ही, जला या दफना देंगे हमारे ही सम्बंधी या मित्र, So, सदा जीवित रहने वाली आत्मा को, थोड़े फायदे के लिए, क्यों करें अपवित्र, धन कमाना गलत नहीं है, बशर्ते पापी और काला न हो जाए, हमारा चरित्र, क्योंकि शीघ्र हमारा मन परलोक में जाने वाला है, जहाँ इंतज़ार कर रहे हैं, हमारे पितृ।

Mission Happiness®

God bless

में

mind की Surgery — Intellect की Radiotherapy
Ego की Chemotherapy — Soul की Healing
Life को cure करने के लिए कैसे होती है

जब हम Business के नशे से जागे - और God's Path को किया आगे
Selfishness & fear, दोनो भागे

आज के time में, business हो या service, स्वार्थ, selfishness, ऐसी स्थितियाँ पैदा कर रहा है जो,

Life के मकान में, पवित्रता की छत, सुख-शान्ति की दीवारें और happiness के floor को ही नहीं बल्कि पूरी life को ही तहस-नहस कर रहा है।

ज़िन्दगी तेज़ी से मौत की तरफ भाग रही है,

So, Mission Happiness में materialism और spiritualism का alignment, प्रभु स्मरण ने इतनी easily करा दिया है कि सुख-सुविधाएँ, money earning, सब कुछ पहले से भी अच्छा होने लगा है और साथ ही साथ प्रभु प्रेम से, पवित्रता का path पकड़ लिया है, जो सीधा स्वर्ग की तरफ ले जाता है।

पिछले कुछ समय में leading doctors & businessmen की death देखकर मन की आँखें और खुल गयीं। अत्यंत कठिनाई में उनका अंत देखकर ईश्वर का डर बढ़ गया है और संसार का कम हो गया है।

Because

मौत (body की) चुपचाप आती है - अचानक आती है, पैसा पीछे छोड़ जाती है। लेकिन पुण्य या पाप की कमाई साथ ज़रूर लेकर जाती है।

Therefore,

Products की quality हो या price, दोनो ही patients के साथ-साथ doctors, chemists and stockists को भी पापमुक्त लाभ देने वाले हैं।

Because, gifts हों या scheme सभी कुछ poor patients के घर से आता है। दुखियों को और अधिक दुखी न करके ही पापमुक्त रह सकते हैं।

Mission Happiness में quality products के साथ-साथ quality persons produce करने की Divine factory है। बहुत difficult काम है किन्तु है ज़रूरी।

पापों और दोषों से मुक्ति के लिए, माता-पिता की इज्ज़त और खानदान, धर्म की मर्यादा को जगाया जाता है।

तपस्या और अन्न दान भी करवाया जाता है। पवित्र संस्कारों के निर्माण में parents और family members का बहुत important role होता है। एक तरह से Divine Commando training दी जाती है।

Purity of products & persons both are prime.

High Court, Media, Doctors, Businessmen, Principals, Teachers, I.A.S., P.C.S. and Police Officers सहित society में soul nourishment से पहले हमें अपने को शुद्ध करना है तभी तो हम Divine Life के Ambassadors बनने के योग्य सिद्ध हो सकते हैं।

Mission Happiness®

Mission Consciousness®

अपनी Life की Marking अपनी Originality & Awareness Scale पर

1. हमें life का purpose कितना clear है ? 10
2. I am a soul, मैं एक शरीर नहीं हूँ, इसका कितना एहसास है ? 10
3. मेरे relations अपने ही साथ कैसे हैं ? 10
4. मैं अपनी life के चारों dimensions - physical body, मन, बुद्धि और आत्मा को separately कितना utilise और feel कर रहा/रही हूँ ? 10
5. अहंकार (Ego) और Anger (क्रोध) का level कितना है ? 10
6. अपने आस-पास सफाई, cleanliness का level? 10
7. Poor, old and helpless के प्रति मेरे मन में दया, करुणा का स्तर ? 10
8. अपने माता-पिता, खानदान और पूवर्जों के संस्कारों का practical application कितना ? 10
9. स्वार्थ, selfishness और भय, fear का level कितना है ? 10
10. God के प्रति gratefulness, ईश्वरीय कृतज्ञता का level कितना ? 10

Self marking कीजिए -

Less than 40% — स्वभाव तुरंत बदलने की आवश्यकता है।

40-60% — सामान्य स्वभाव - आम आदमी की life।

60-70% — अपनी life के प्रति fairly concerned.

70-80% — दिव्यता, divinity का बीज develop होने लगा है।

80-90% — Divine life के अति निकट।

90-100% — संस्कारवान, सौभाग्यशाली, इस धरती पर स्वर्गलोक का अनुभव।

Once dead, यह precious life नहीं मिलनी है Again,

So, दूर हो जाए सारी tension और खत्म हो जाएँ सभी Pain,

इसके लिए

God's remembrance ही करेगी, Divine blessings की Rain,

साथ आइए - पवित्रता बढ़ाइए - शान्ति फैलाइए

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in